

मुख्य समाचार :-

- प्रदेश में विजयदशमी का पर्व पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है।
- शीतकाल के लिए बदरीनाथ, यमुनोत्री और मद्महेश्वर धाम के कपाट बंद होने की तिथियां घोषित।
- राज्य में प्रदूषण मुक्त दीपावली पर्व बनाने के लिए उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने तैयारियां तेज की।
- और ...जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने टिहरी झील में सूर्यास्त के बाद बोटिंग पर रोक लगाने के निर्देश दिए।

दशहरा

राज्य में विजयदशमी का पर्व पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर प्रदेशभर में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है, जबकि रामलीला स्थलों पर रावण दहन किया जा रहा है। ये पर्व बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर बुराई का अंत किया था। यह पर्व लोगों को सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

राजधानी देहरादून के परेड ग्राउंड में विजयदशमी के अवसर पर एक सौ इक्यासी फीट ऊंचे रावण के पुतले के साथ ही कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का भी दहन किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर आयोजन स्थलों पर पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हुए हैं। इस बीच देहरादून के परेड ग्राउंड में आज दशहरा पर्व के आयोजन को देखते हुए यातायात पुलिस ने रूट डायवर्जन और पार्किंग व्यवस्था लागू की है।

तिथि निर्धारण

शीतकाल के आगमन के साथ ही बदरीनाथ, यमुनोत्री और मद्महेश्वर धाम के कपाट बंद होने की तिथियां तय हो गई हैं। विजयदशमी के अवसर पर आज धार्मिक परंपराओं और विधि-विधान के अनुसार तीनों धामों के कपाट बंद होने का मुहूर्त निर्धारित किया गया।

चमोली जिले में स्थित बदरीनाथ धाम के कपाट 16 नवंबर को रात 9 बजकर 37 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। परंपरा के अनुसार, मुख्य पुजारी रावल और धर्माधिकारी की मौजूदगी में पंचांग के आधार पर मुहूर्त तय किया गया।

उत्तरकाशी स्थित यमुनोत्री धाम के कपाट 11 नवंबर को भैयादूज के अवसर पर पूर्वाह्न 10 बजकर 28 मिनट पर बंद होंगे।

वहीं, रुद्रप्रयाग जिले में स्थित द्वितीय केदार मद्महेश्वर धाम के कपाट 16 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। इसके बाद भगवान मद्महेश्वर की चल विग्रह डोली गौंडार, रांसी और गिरिया होते हुए 19 नवंबर को ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ पहुंचेगी। यहां शीतकाल के दौरान भगवान की पूजा-अर्चना संपन्न होगी।

गौरतलब है कि सर्दियों में बर्फबारी और प्रतिकूल मौसम को देखते हुए इन धामों के कपाट परंपरा के अनुसार बंद किए जाते हैं।

पाइंता पर्व

प्रदेश के जौनसार-बावर क्षेत्र में पारंपरिक पाइंता पर्व यानी दशहरा उत्सव बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। अपनी अनूठी संस्कृति, समृद्ध लोक परंपराओं और विशिष्ट रीति-रिवाजों के लिए देश-दुनिया में पहचान रखने वाले पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। पर्व में प्रतिभाग करते हुए कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने सिमोग स्थित शिरगुल महाराज मंदिर में पूजा-अर्चना कर देवता के दर्शन किए और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

मान्यता है कि सच्चे मन से शिरगुल महाराज के दर्शन और प्रार्थना करने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

प्रदर्शनी

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तरकाशी में स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी और लॉटरी आयोजित की जाएगी। लॉटरी के पुरस्कारों के लिए स्थानीय उत्पादों की खरीद की जाएगी, जिससे स्वयं सहायता समूहों को बाजार और बिक्री के बेहतर अवसर मिलेंगे।

इस संबंध में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने राज्य स्थापना दिवस की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को समय से व्यवस्थाएं पूरी करने और आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

परियोजना प्रबंधक रीप ने बताया कि स्थानीय उत्पादों को आयोजन से जोड़ने का उद्देश्य उनकी पहचान बढ़ाना और समूहों की आय में वृद्धि करना है। इस पहल से 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा मिलेगा।

प्रदूषण मुक्त दीपावली

दीपावली पर रोशनी और खुशियों के साथ पर्यावरण की सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी है। इसी को देखते हुए उत्तराखंड में प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई को नियंत्रित रखने के लिए जिला प्रशासन, नगर निगम और जिला पंचायतों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए हैं। वहीं, स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए विद्यार्थियों को स्वच्छ और स्वस्थ दीपावली मनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते ने बताया कि दीपावली पर आतिशबाजी और बढ़ती गतिविधियों के बीच वायु प्रदूषण को नियंत्रित रखना एक बड़ी चुनौती होती है।

डीएम निर्देश

टिहरी गढ़वाल जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल जिले में पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्यटन गतिविधियों की निगरानी कर रही हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने कोटी कॉलोनी स्थित टिहरी झील के बोटिंग प्वाइंट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों, बोटिंग संचालन, भुगतान व्यवस्था और संबंधित अभिलेखों में कई कमियां सामने आईं। उन्होंने जिला पर्यटन विकास अधिकारी से स्पष्टीकरण तलब करते हुए व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने बोटिंग स्थल पर आवश्यक सुरक्षा संकेतक लगाने, अग्निशमन यंत्र उपलब्ध कराने तथा टिकट काउंटर पर तत्काल सीसीटीवी कैमरा स्थापित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बोटिंग के भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए टिहरी विशेष क्षेत्र पर्यटन विकास प्राधिकरण अथवा पंजीकृत बोट यूनियन के अधिकृत खाते में ही जोर दिया।

समापन

टिहरी गढ़वाल में नौ दिनों तक आस्था, लोक संस्कृति, खेल और मनोरंजन के बाद नरेंद्रनगर में आयोजित 50वें सिद्धपीठ मां श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले का समापन हो गया। समारोह में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने करीब 4 करोड़ 76 लाख रुपये की लागत वाले पांच विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े आयोजन की सफलता केवल आर्थिक संसाधनों से नहीं, बल्कि आपसी तालमेल, समर्पण और जनसहभागिता से सुनिश्चित होती है।

मेले में पारंपरिक ढोल-दमाऊ, जागरों और लोकगीतों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जबकि स्कूली बच्चों ने लोकनृत्य, गायन और वादन की प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

साथ ही कबड्डी, वॉलीबॉल और एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

प्रशिक्षण

प्रदेश के पहाड़ अब केवल पर्यटन का आकर्षण ही नहीं, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। राज्य में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ युवाओं को पैराग्लाइडिंग में प्रशिक्षित कर व्यावसायिक गतिविधियों से जोड़ने की पहल की जा रही है। इसी क्रम में उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की ओर से पौड़ी गढ़वाल जिले के बिल्खेत में उड़ान अभ्यास अभियान चलाया जा रहा है। इसमें 17 प्रशिक्षित युवा हिस्सा ले रहे हैं। उन्हें टेंडम फ्लाईंग का व्यावहारिक अनुभव दिलाने और 100 उड़ान घंटे पूरा करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। निर्धारित मानकों और अर्हताओं को पूरा करने वाले युवाओं को व्यावसायिक टेंडम पायलट लाइसेंस दिया जाएगा।

कुंभ मेला

कुंभ मेला 2027 की तैयारियों के तहत सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में चल रहे 12वें चरण के प्रशिक्षण शिविर में इंडियन रेडक्रॉस उत्तराखंड के चेयरमैन प्रो. नरेश चौधरी ने पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया। डॉ. चौधरी ने बताया कि कुंभ मेला पुलिस द्वारा पिछले एक माह से यह प्रशिक्षण चलाया जा रहा है, जिसमें कुंभ को निर्विघ्न संपन्न कराने के गुर सिखाए जा रहे हैं। कुंभ में स्थानीय निवासियों, व्यापारियों, होटल-धर्मशाला संचालकों और स्वयंसेवकों की अहम भूमिका होती है।

मुख्य समाचार एक बार फिर—

- प्रदेश में विजयदशमी का पर्व पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है।
- शीतकाल के लिए बदरीनाथ, यमुनोत्री और मद्महेश्वर धाम के कपाट बंद होने की तिथियां घोषित।
- राज्य में प्रदूषण मुक्त दीपावली पर्व बनाने के लिए उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने तैयारियां तेज की।
- जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने टिहरी झील में सूर्यास्त के बाद बोटिंग पर रोक लगाने के निर्देश दिए।